स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जन्म शताब्दी :

श्री चांदमल भानावत : उदयपुर जिले के कानोड़ ग्राम में श्री रामलाल भानावत के गृह आंगन में 15 फरवरी 1914 को जन्में श्री चांदमल भानावत ने अपनी शिक्षा पूर्ण कर वकालात का कार्य प्रारम्भ किया । उस समय चल रहे स्वतंत्रता आन्दोलन की लहर से प्रभावित होकर आप प्रजा मण्डल से जुड़े । कानोड़ के जागीरदारों द्वारा प्रजा पर किये जा रहे अत्याचार का विरोध करने पर आपकी वकालात की सनद एक वर्ष के लिये जब्त कर ली गई तथा आय के अन्य स्त्रोतों पर भी रूकावट उत्पन्न कर आपको परेशानियों से जकड़ दिया गया। भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भाग लेने के कारण आपको गिरफ्तार किया गया तथा उदयपुर जेल में डाल दिया । जेल यात्रा के पश्चात् कानोड़ के ही स्वतंत्रता सेनानी पंडित उदय जैन (डूंगरवाल) के निकटतम सहयोगी के रूप में सार्वजनिक एवं राजनैतिक गतिविधियों में सहयोग देते रहे । देश की स्वतंत्रता के पश्चात् आप 17 वर्ष तक कानोड़ ग्राम पंचायत के सरपंच रहे तथा ग्राम के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाई । 12 जुलाई 1985 को कानोड़ ग्राम में आपका देहावसान हो गया । ओसवाल महिमा परिवार का शत्–शत् नमन ।

ओसवाल महिमा परिवार से :

❖ जोधपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के चेयरमेन **श्री कमल मेहता** को उल्लेखनीय कार्यो के लिये दिल्ली में स्किल–ट्री एजुकेशन एवं गनिस्ट ऑफ इंडिया अवार्ड से नवाजा गया है ।

❖ 13 से 23 जनवरी तक अहमदाबाद से शंखेश्वर महातीर्थ पर छ'री पालित यात्रा संघ में **श्री भंवरलाल सालेचा** परिवार–जोधपुर ने सह संघपति का लाभ लिया।

ओसवाल रत्न : प्रो. (डॉ.) सोहनराज तातेड़–जोधपुर : थारनगरी बाड़मेर जिले में स्वर्णिम पहाड़ियों से घिरी जसोल नगरी में श्रीमान् मुलतानमल तातेड़ के गृह आंगन में श्रीमती चम्पादेवी तातेड़ की कुक्षी से 5 जुलाई 1947 को जन्में **श्री सोहनराज तातेड़** ने बी.ई. (मैके.), एम.ई. (पी.एच.), एम.ए. (दर्शन), एम.ए. (शिक्षा), पी.एच.डी., डी.लिट (शिक्षा), डी. लिट (दर्शन), डी.एस.सी. (योग) की शिक्षा प्राप्त की । आपका पाणिग्रहण संस्कार श्रीमती लक्ष्मीदेवी के संग सम्पन्न हुआ । सिंघानिया विश्वविद्यालय के कुलपति एवं जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय लाडनूं के मानद सलाहकार पद पर सेवायें देने वाले प्रो. (डॉ.) सोहनराज तातेड़ इस समय ट्रीनिटी वर्ल्ड वि.वि. (यू.के.), एन.ए.आई. (यू.एस.ए.) वि.वि., जगन्नाथ वि.वि. ढाका (बंगलादेश) जोधपुर राष्ट्रीय वि.वि. जोधपुर एवं सिंघानिय विश्वविद्यालय (पचेरी बड़ी–झुंझुनूं) के संरक्षक प्रोफेसर भी है । आप दर्शन, योग एवं शिक्षा विषयों में अंतर्राष्ट्रीय एवं भारतीय विश्वविद्यालयों में पंजीकृत पी.एच.डी. शोध निर्देशक है । आप राज्य सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग में 30 वर्षों तक सेवा देकर अधीक्षण अभियन्ता पद से स्वेच्छापूर्वक निवृत्ति लेकर वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे है । आप भारत एवं विश्व की करीब 50 शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं में एसोसियेट सदस्य, संरक्षक एवं आजीवन सदस्य है । प्रो. तातेड़ जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, नेपाल, बांगलादेश, भूटान आदि देशों की यात्रा कर चुके है ।

जाने माने विद्वान प्रो. (डॉ.) सोहनराज तातेड़ की दर्शन, योग एवं शिक्षा विषय पर 65 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है तथा 15 पुस्तकें प्रकाशनाधीन है । आपके 60 से अधिक शोध पत्र प्रतिष्ठित राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके है । आपने 60 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों–कार्यशालाओं में भाग लेकर अपने शोध पत्र एवं व्याख्यान दिये है । आप इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय एकता अवार्ड, समाज भूषण, युवक रत्न, जैन ज्ञान–विज्ञान मनीषी, भारत एक्सीलेन्सी अवार्ड, महर्षि पतंजली अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड, भारत–भूटान मैत्री, राजीव गांधी एवार्ड, इन्डो–नेपाल हारमोनी, प्राकृतिक चिकित्सा रत्न, योग रत्न आदि राष्ट्रीय सम्मानों से अलंकृत हो चुके है ।

ओसवाल महिमा परिवार ओसवाल रत्न प्रो. (डॉ.) सोहनराज तातेड़ का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए सुखद स्वास्थ्य, यशस्वी जीवन, प्रगति एवं समृद्धि, चिरायु–दीर्घायु होने की मंगल कामना करता है ।